क्वाड और ब्रिक्स दोनों का महत्व

द हिन्दू

पेपर- II
(अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

जुलाई के अंत में जापान में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक, 10 महीने के लंबे अंतराल के बाद, ऐसे समय में हो रही है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) पंगु हो गई है और इसके सुधार की कोई संभावना नहीं दिख रही है, यूक्रेन युद्ध और इजराइल द्वारा गाजा पर हमले में अंतरराष्ट्रीय कानून का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, रूस, चीन, उत्तर कोरिया और ईरान की धुरी इजरायल की ताकत बढ़ रही है और चीनी प्रभाव सिर्फ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ही नहीं बल्कि अन्यत्र भी बढ़ रहा है।

बदले में, अमेरिका को एहसास हुआ है कि उसे न केवल सहयोगियों की जरूरत है, बल्कि इंडो-पैसिफिक सहित अपने सुरक्षा ढांचे में विश्वसनीय साझेदारों की भी जरूरत है, और उसने भारत जैसे "गैर-सहयोगी" देशों से छोटे बहुपक्षीय समूहों और संयुक्त सुरक्षा पहलों में भागीदारी करने के लिए "पार" संपर्क किया है। इसके अलावा, आसियान देश तेजी से कमजोर होते जा रहे हैं, जिसमें दक्षिण चीन सागर एक फ्लैशपॉइंट बना हुआ है।

जबकि भारत भू-रणनीतिक 'विभाजन' के दोनों ओर कई बहुपक्षीय समूहों का सदस्य है, क्वाड और ब्रिक्स में इसकी भागीदारी देश के लिए दिलचस्प और कभी-कभी विरोधाभासी दुविधाएं पेश करती है।

भारत ने क्वाड और इसके रणनीतिक उद्देश्यों को उत्साहपूर्वक अपनाया है। क्वाड में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के विश्वास ने इसे 2021 के बाद से उच्चतम स्तर पर आवश्यक बढ़ावा दिया है। तथ्य यह है कि भारत ने अगस्त 2021 में यूएनएससी की अपनी अध्यक्षता के दौरान 'समुद्री सुरक्षा बढ़ाने' पर एक उच्च स्तरीय वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी और जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सहित अन्य लोगों ने भाग लिया था, यह दर्शाता है कि भारत हिंद-प्रशांत और उससे आगे समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने को कितना महत्व देता है।

क्वाड में भारत की भूमिका:

जबकि क्वाड का हमेशा से चीन के प्रति भू-राजनीतिक सुरक्षा उद्देश्य रहा है, भारत का दृष्टिकोण इस संकीर्ण जोर से आगे बढ़कर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा और तकनीकी-आर्थिक संरचना को और अधिक व्यापक रूप से फिर से परिभाषित करने तक जाता है। क्वाड अब महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संरचना और डिजिटल, दूरसंचार, स्वास्थ्य, बिजली और सेमी-कंडक्टर सहित क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष रणनीतिक प्रासंगिकता वाले कई क्षेत्रों पर काम कर रहा है, इसने रेखांकित किया है कि विकास का भी एक सुरक्षा परिप्रेक्ष्य है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है। बदले में, भारत को क्वाड भागीदारों, विशेष रूप से अमेरिका के साथ द्विपक्षीय संबंधों में वृद्धि के माध्यम से लाभ हुआ है।

दूसरी ओर, अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ AUKUS का गठन, विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया की परमाणु पनडुब्बियों के साथ, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और चीन को रोकने के लिए केंद्र में रखा गया है। यूक्रेन युद्ध और नाटो पर बढ़ते फोकस ने पश्चिमी देशों को एशिया को भी सैन्य चश्मे से देखने पर मजबूर कर दिया है। AUKUS भारत के भू-रणनीतिक हितों के अनुकूल हो सकता है, लेकिन क्वाड के लिए पूरी तरह से सुरक्षा दृष्टिकोण अपनाने में भारत की अनिच्छा को एक निराशा के रूप में देखा जाता है, इसके बावजूद कि भारतीय विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया है कि क्वाड एक एशियाई नाटो नहीं है और भारत अन्य तीन के विपरीत संधि सहयोगी नहीं है। वास्तव में, मैं संयुक्त राष्ट्र में अपने क्वाड सहयोगियों से कहता था कि क्वाड में हमारे पास एकमात्र मूल्य-वर्धन भारत है। भारत के दृष्टिकोण को ध्यान में रखने के बजाय, यदि वे केवल भारत को अपने हित में लाना चाहते हैं, तो वे समावेशी बनने और क्षेत्र में अपने समग्र प्रभाव को बढ़ाने के अवसर को बर्बाद कर रहे हैं, जिसमें विभिन्न मजबूरियों वाले विकासशील देश भी शामिल हैं, जिनमें से सभी सैन्य-केंद्रित नहीं हैं।

रूस के साथ घनिष्ठ संबंधों की भारत की स्वतंत्र नीति और यूक्रेन युद्ध के लिए कूटनीतिक समाधान की मांग, दोनों ही पश्चिमी देशों द्वारा नापसंद की जाती हैं, लेकिन ये दोनों ही बातें भारत को क्वाड को मजबूत करने से विचलित नहीं करती हैं। क्वाड के कुछ सदस्य और यूरोपीय देश खुद चीन के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ा रहे हैं, जो उनकी अलग-अलग द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मजबूरियों को रेखांकित करता है।

क्वाड के साथ भारत के उत्साही जुड़ाव की पृष्ठभूमि में, ब्रिक्स के साथ इसका जुड़ाव एक अलग पहेली प्रस्तुत करता है। भारत ब्रिक्स का एक उत्साही संस्थापक था। वास्तव में, दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में 2018 में ब्रिक्स के 10वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में, यह श्री मोदी ही थे जिन्होंने नेताओं को याद दिलाया कि ब्रिक्स की स्थापना बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार के लिए की गई थी और पहली बार 'सुधारित बहुपक्षवाद' के अपने दृष्टिकोण का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, ब्रिक्स में भारत की भागीदारी उत्साही से लेकर ठंडी तक उतार-चढ़ाव वाली रही है। जबकि न्यू डेवलपमेंट बैंक और आकस्मिक रिजर्व व्यवस्था जैसी ब्रिक्स की पहल अग्रणी रही हैं, चीन द्वारा ब्रिक्स का उपयोग ग्लोबल साउथ पर अपने विश्व दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने और अब पश्चिम को पीछे धकेलने के लिए करने के प्रयास ने भारत को ब्रिक्स को अधिक महत्व देने के प्रति सतर्क कर दिया है।

ब्रिक्स की क्षमता:

परिणामस्वरूप, भारत ब्रिक्स का विस्तार करने के लिए अनिच्छुक रहा है। वास्तव में, 2018 में, श्री पुतिन ने भी दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला को उद्धृत करते हुए ब्रिक्स का विस्तार करने के प्रति अपनी अनिच्छा को रेखांकित किया: ष्एक बड़ी पहाड़ी पर चढ़ने के बाद, कोई केवल यह पाता है कि चढ़ने के लिए और भी कई पहाड़ हैं।ष लेकिन क्वाड और यूक्रेन की स्थिति के बाद, रूस ने भी ब्रिक्स की क्षमता को महसूस किया, जिसमें पश्चिम को पीछे धकेलना शामिल है, और चीन का समर्थन किया। ब्राजील में सत्ता परिवर्तन के बाद भारत चीन को पीछे धकेलने वाला अकेला सदस्य रह गया है। अनिच्छुक भारत ने इसका विरोध करने के बजाय ब्रिक्स के विस्तार को स्वीकार करने का फैसला किया और अब कई और देश कथित तौर पर इसमें शामिल होने का इंतजार कर रहे हैं। भले ही भारत के सभी नए सदस्यों के साथ द्विपक्षीय संबंध सबसे अच्छे हों, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि यह सब ब्रिक्स के अंदर भारत के लिए समर्थन में जुड़ जाए। इसके लिए, भारत अब ब्रिक्स के बारे में अस्पष्टता बर्दाश्त नहीं कर सकता। ब्रिक्स को उस दिशा में ले जाने के कदमों का मुकाबला करने के लिए जिसे भारत पसंद नहीं करता है, हमें कम नहीं बल्कि अधिक संलग्न होने की आवश्यकता है। चूंकि भारत क्वाड और ब्रिक्स दोनों में शामिल एकमात्र देश है, इसलिए वह एक के लिए दूसरे को कमतर आंकने का जोखिम नहीं उठा सकता।

प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

प्रश्न : निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. AUKUS समूह में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूके शामिल हैं।
2. क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक 10 महीने बाद जापान में हो रही है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

Que. Consider the following statements:

1. AUKUS group includes America, Australia and UK.
2. The meeting of Quad Foreign Ministers is being held in Japan after 10 months.

Which of the statements given above is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2
(c) Both 1 & 2 (d) Neither 1 nor 2

उत्तर : C

मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Mains Expected Question & Format)

प्रश्न: "भारत क्वाड और ब्रिक्स दोनों में शामिल एकमात्र देश है, इसलिए वह एक के लिए दूसरे को कमतर आंकने का जोखिम नहीं उठा सकता।" इस कथन के संदर्भ में भारत की इन दोनों समूहों के प्रति रणनीति का विश्लेषण करें।

उत्तर का एप्रोच :

- उत्तर के पहले भाग में भारत की इन दोनों समूहों में सदस्यता को लेकर चर्चा कीजिए।
- दूसरे भाग में भारत की इन दोनों समूहों के प्रति वर्तमान रणनीति और क्या रणनीति होनी चाहिए इसका विश्लेषण करें।
- अंत में अपने सुझाव देते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।